ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-४१
दिनांक- शुक्रवार, १९ जून, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३०.८ एवं १९.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८५ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ५२ प्रतिशत, हवा की औसत गति १०.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.८ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ४.६ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३०.४ एवं दोपहर में ३२.३ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में २२.८ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२०-२४ जून, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २०-२४ जून तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-
- पूर्वानुमानित अवधि में मानसून के सक्रिय रहने की संभावना है, जिसके कारण उत्तर बिहार के जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। ज्यादातर स्थानों पर अच्छी वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३० से ३३ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २४-२७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन १५-१८ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ७५ से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में अच्छी वर्षा की संभावना को देखते हुए कृषक भाईयों को सलाह दी जाती है कि मक्का की कटाई, दौनी तथा अनाज सुखाने का कार्य सावधानीपूर्वक करें। खड़ी फसलों में कीटनाशक दवाओं के छिड़काव में सर्तकता बरतें। फिलहॉल फसलों में सिंचाई स्थगित रखें।
- लम्बी अवधि के धान की रोपनी के लिए खेतों की मेड़ तैयार कर लें। रोपाई के समय लम्बी अवधि की किस्मों के लिए ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाश के साथ २५ किलोगाम जिंक सल्फेट या १५ किलोग्रम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें। रोपे हुए धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें।
- खरीफ प्याज की नर्सरी (बीजस्थली) गिरावें। छोटी-छोटी उथली क्यारियों, जिसकी चौड़ाई एक मीटर एवं लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को पंक्तियों में गिरावें। नर्सरी में जल निकास की व्यवस्था रखें। एन०-५३, एग्रीफाउण्ड डाक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज गिराने के पूर्व बीज को केप्टन या थीरम/ २ ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। बीज की दर ८-१० कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें। पौधशाला को तेज धूप एवं वर्षा से बचाने के लिए ४०: छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें।
- बरसाती सब्जियाँ जैसे-भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में गोबर की खाद/कम्पोस्ट का अधिक से अधिक प्रयोग करें। गरमा सब्जियों की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें। कीट-व्याधियों से फसल की निगरानी करते रहें।
- इस माह में आम, लीची, आदि वृक्षें के लिए खोदे गये गड्ढों में मिट्टी के साथ अनुशंसित मात्रा में खाद, उर्वरक एवं थिमेट दे कर ऊपर तक भरने का कार्य कर लें।
- मूंग, उरद की तैयार फलियों की तुड़ाई कर ले तथा हरी खाद हेतु उसके पौधों को मिट्टी पलटने वाले हल से जमीन में पलट दें।
- लीची तोड़ने के बाद लीची के बगीचों की जुताई कर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करे। प्रति प्रौढ़ पेड़ ६० से ८० किलो कम्पोस्ट अथवा गोबर की सड़ी खाद, २.५ किलो यूरिया, १.५ किलो सिंगल सुपर फॉसपेट, १.३ किलो म्युरेट ऑफ पोटाश तथा ५० ग्राम सुहागा के मिश्रण को बृक्ष के पूरे फैलाव में समरुप बिछा कर मिट्टी में मिला दें ।
- पशु चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई करें। पशुओं के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर (डकहा) एवं एच०एस० (गलघोंटू) से बचाव के लिए पशुओं को टीके लगावें।

आज का अधिकतम तापमानः २८.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ६.४ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १८.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ७.३ डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी